Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of India/ Hindustan Times/ Dainik Jagran / Amar Ujala/ Navbharat Times Hindustan Hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year- 17 **Issue-** 32
Ghaziabad, Sunday, 04 January - 2026
04 January - 2026 to 10 January - 2026
Page: 8

RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code:101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
www.tbcgzb.in
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 8

महाराष्ट्र में वोटिंग से पहले महायुति का शक्ति प्रदर्शन, 64 सीटों पर निर्विरोध जीते

टीबीसी संवाददाता

नई दिल्ली। 15 जनवरी को होने वाले महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव से पहले, सत्ताधारी महायुति - जिसमें भारतीय जनता पार्टी, एकनाथ शिंदे शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं - ने 64 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। यह तब हुआ जब शुक्रवार को, जो नाम वापस लेने का आखिरी दिन था, कई विपक्षी उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए, जिससे महायुति के उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। महायुति के सहयोगियों में, इखढ को सबसे ज्यादा फायदा हुआ, क्योंकि उसके 43 उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए हैं।

इसके अलावा, शिवसेना के 19 और ठउढ के दो उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं।

महायुति की क्षेत्रवार जीत पर एक नजर

कल्याण-डोंबिवली में, इखढ के 14 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बीजेपी ने भिवंडी, पनवेल और जलगांव में भी छह-छह सीटों पर जीत हासिल की है। धुले और अहिल्यानगर में, क्रमशः चार और तीन बीजेपी उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। इसके अलावा, बीजेपी उम्मीदवारों ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में दो-दो सीटें जीती हैं।

शिवसेना की बात करें तो, उसके सात उम्मीदवार ठाणे में और छह-छह कल्याण-डोंबिवली और जलगांव में निर्विरोध जीते हैं।

महायुति की जीत और महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव

64 सीटों पर महायुति की जीत से नगर निगम चुनावों से पहले सत्ताधारी गठबंधन का आत्मविश्वास बढ़ेगा। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि गठबंधन ने पिछले महीने राज्य में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में पहले ही बड़ी जीत हासिल की थी, जिससे 2024 के विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत के बाद महाराष्ट्र में उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। अगले नगर निकाय चुनावों की बात करें तो, BMC सहित सभी नगर निगमों के लिए वोटिंग 15 जनवरी को होगी। नतीजे महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (SEC) द्वारा 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे।

ठंड में बेसहारा लोगों के लिए गाजियाबाद पुलिस का अभियान

खुले आसमान से रैन बसेरों तक पहुंचाए गए असहाय, रातभर चला ऑपरेशन

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। कड़ाके की ठंड के बीच जब शहर सो रहा था, तब गाजियाबाद पुलिस मानवता की जिम्मेदारी निभाने सड़कों पर उतरी। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के तहत खुले आसमान के नीचे जीवन गुजार रहे असहाय और बेसहारा लोगों को चिन्हित कर उन्हें सुरक्षित रैन बसेरों में पहुंचाया गया। यह अभियान प्रशासनिक सतर्कता के साथ-साथ संवेदनशील शासन का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया।

पुलिस टीमों ने देर रात शहर के प्रमुख चौराहों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर सघन गश्त कर ठंड से जूझ रहे जरूरतमंदों को तलाशा। जैसे ही असहाय व्यक्ति मिले, उन्हें तुरंत नजदीकी रैन बसेरों में शिफ्ट कराया गया, जहां उनके लिए गर्म बिस्तर, कंबल और भोजन की व्यवस्था पहले से मौजूद थी। मोदीनगर, वेव सिटी और कोतवाली नगर थाना क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय भूमिका देखने को मिली। संजय पुरी रैन बसरा, छतरी वाला मंदिर रैन बसरा, नगर पंचायत डासना परिसर, पुराना बस अड्डा और रेलवे स्टेशन जैसे स्थानों से कई असहाय लोगों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया। अभियान को सफल बनाने में नगर निगम व स्थानीय प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की रक्षा और ठंड से बचाव का प्रयास है। पुलिस कमिश्नरेट ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति ठंड से पीड़ित या बेसहारा दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें।

जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु अधिकारी सदैव रहें तत्पर: जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वार जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आयी शिकायतों को शत–प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। उन्होने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं, इसके साथ ही सभी शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु अधिकारी सदैव तत्पर रहें। जनसुनवाई के दौरान मुरादनगर निवासी एक महिला को विधवा पेंशन का लाभ दिलाने हेतु प्रबोशन विभाग को निर्देशित किया गया। वहीं एक वृद्ध विधवा महिला की बहू के ईलाज हेतु रेड क्रास के माध्यम से मद्द करने हेतु सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया। वहीं एक महिला के पुत्र जिसकी मृत्यु सांप के काटने से हो गयी थी को मुआवजा दिलाने हेतु सम्बंधित विभाग को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई ज्योति मौर्य, एडीएम एल/ए अवनीश कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Editorial

New Year's Time

Today is the sunrise of the New Year 2026. New light has dawned. Let's try to live these moments with new enthusiasm, new hope, new goals, and new resolutions. What is past is past, it's history, let it go into the abyss, and don't regret it at all. That was just a time, and today's time is before you, with you. There is no need to remain detached. Engage with time, because that is the truth, the reality, and time is always beautiful. Of course, today is an era of hatred, communalism, violence, wars, riots, and ultimately, murders, but against these, we must make a resolution in this new year. We must make a humane resolution, and it begins at the individual level. Gradually, that resolution expands, and then time changes. Some prophecies of Baba Vanga have come to light. Two of them concern the destruction and devastation of humanity. One, a third world war may break out in 2026. Second, there are also apprehensions of a war between India and Pakistan in the new year. A US think tank, the CFR, has also released such a report. In view of the renewed and spreading terrorism in Kashmir, India may teach Pakistan a lesson. India had already stated its policy that any terrorist attempt would be considered 'war,' and now India is ready to respond to such a war. This is the same Baba who also predicted the 9/11 terrorist attacks in America, the disintegration of the Soviet Union, and the death of Princess Diana. We pray to God that this time Baba's pronouncements prove 'false' and that the widespread and murderous horrors of war do not come to pass. May agreements be reached at the peace table, but strategic tensions are spreading from the Russia-Ukraine war to Taiwan and the Middle East. How can these realities of time be denied? Baba has also predicted natural disasters and economic crises in the new year. Hate is at the root of war and tension; violence and killings stem from this very emotion. Sensing such dangers, New Year's celebrations have been canceled in beautiful metropolises like Paris, Sydney, and Tokyo. In Los Angeles, USA, four suspects have been arrested, exposing a plot for a terrorist attack. Several other countries, including India, are also on high alert. In Ghaziabad, Uttar Pradesh, a display of swords was organized, and swords were distributed to Hindu activists with a call to become aggressive against forces that kill Hindus. Such demonic forces emerge in every era, but they are eventually put behind bars, as has been done in Uttar Pradesh.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

World Cup ambitions and Asian Games title defence headline the new year for Indian Hockey

Delhi. Following a year of significant achievements, the Indian Hockey team will enter 2026 with an action-packed schedule featuring several marquee international tournaments. From the pursuit of the FIH Menls World Cup to the defence of their Asian Games title in Japan, the upcoming year will be defined by high-priority international fixtures. The second season of the Hero Hockey India League (Hero HIL), following its successful revival, will mark the beginning of the new year. The Women's Hero HIL will conclude on January 10 in Ranchi, while the Menls Hero HIL will run from January 3 to January 26. Matches will be held across Chennai, Ranchi, and Bhubaneswar, with the final scheduled for the Kalinga Stadium, Bhubaneshwar.

Following the domestic season, the menls team will compete in the Indian leg of the FIH Pro League at the Birsa Munda Stadium in Rourkela from February 10-15, followed by remaining fixtures in Australia from February 21-25. The team will then travel to the Netherlands and the United Kingdom for the remaining Pro League fixtures in June.

The womenls team, on the other hand, will compete in the World Cup Qualifiers on home soil in Hyderabad from March 8-14. This tournament is a critical final opportunity for the team to secure a place in the 2026 FIH Women's World Cup in Belgium and the Netherlands. The qualifiers will feature a competitive field, including England, Scotland, Korea, Italy, Uruguay, Wales, and Austria.

In August, the team will head to one of the most significant events of the year: the FIH Hockey World Cup, co-hosted by Belgium and the Netherlands. Scheduled for August 14-30, the tournament offers the team a chance to build on recent Olympic success and contend for a podium finish.

The season will continue in September as both teams head to Aichi-Nagoya, Japan, for the 20th Asian Games, held from September 19 to October 4. As defending champions, the Indian Menls team will aim to retain their title and secure direct qualification for the Los Angeles 2028 Olympic Games.

Alongside these international milestones, Hockey India remains committed to grassroots development. An extensive domestic calendar is planned to provide competitive exposure to younger players and identify emerging talent for the senior national programs.

Indian Hockey Team calendar 2026:

* Men's Hero Hockey India League- January 3-26, 2026
* Women's Hero Hockey India League- December 28, 2025-January 10, 2026
* FIH Menls Pro League (India)- February 10-15, 2026
* FIH Menls Pro League (Australia)- February 21-25, 2026
* FIH Menls Pro League (Netherlands & UK)- June 14-28, 2026
* World Cup Qualifiers (Womenls)- March 8-14, 2026
* FIH Hockey World Cup- August 15-30, 2026
* 2026 Aichi-Nagoya Asian Games- September 19- October 4, 2026
* Nations Cup- TBC

Vedanta Kalinga Lancers eyes strong start against RR in its HIL opener

Chennai. Vedanta Kalinga Lancers (VKL) is eyeing for a strong and winning start when they take on Ranchi Royals (RR) in their opening fixture in the Hockey India League (HIL) here tomorrow. The VKL has entered the new season following an intense pre-season camp, with the team spending

valuable time building structure, cohesion, and match readiness ahead of the league opener. RR, which is making its in the HIL, featured a strong core retained from the previous franchise Gonasika. Speaking ahead of the season opener, Head Coach Jay Stacy highlighted the importance of preparation and composure in the opening game. “The group has worked hard in preparation, and the focus has been on clarity in our roles and discipline across the pitch. Opening games are about settling quickly and playing smart hockey,” said Stacy. “Ranchi may be new to the league, but they have a solid core and quality players, so we’re expecting a tough contest. Our Indian players came in early and trained under Technical and Strategy Coach Pascal Kina, before the Australians and Belgians joined post-Christmas", he said. The sessions in Bhubaneswar were very productive and helped us come together well as a unit, he added. On the other hand, VKL who finished last season as the second highest goal-scoring team, are keen to carry forward their attacking intent while also strengthening their defensive structure this year. Reflecting on the new season, Co-Captain Arthur Van Doren expressed optimism and balance in approach.

Shooting nationals: Ajay Kumar wins 10m Air Pistol gold; Jonathan Gavin Antony shines across junior and youth

New Delhi. Indian Army’s Ajay Kumar and Karnataka’s Jonathan Gavin Antony headlined an action-packed day at the 68th National Shooting Championship Competitions, with Ajay claiming the gold medal in the 10m Air Pistol Men’s final after a closely fought contest, while Jonathan capped a standout campaign by completing a rare Sub-Youth, Youth and Junior treble in men’s air pistol events, here at Dr. Karni Singh Shooting Range on Saturday.

Meanwhile, at the shotgun ranges, Tamil Nadu continued their strong run by sweeping both the Senior and Junior Trap Mixed Team titles. Ajay Kumar claims 10m Air Pistol Men’s gold Ajay Kumar of the Army delivered a composed performance to win the gold medal in the 10m Air Pistol Men’s final at the 68th National Shooting Championship Competitions. Ajay finished on top with a score of 241.1, edging out Railways’ Shubham Bisla, who settled for silver with 240.1 after a closely fought final. Haryana’s Anmol Jain secured the bronze medal with 220.0.

Haryana’s Shiva Narwal narrowly missed the podium, finishing fourth with 197.2, while Navy shooters Aakash Bhardwaj and Ujjawal Malik placed fifth and sixth with 177.8 and 157.3 respectively. Rahul Serawat of Rajasthan ended seventh on 136.6, and Punjab’s Arjun Singh Cheema completed the final line-up in eighth place with 115.8. The qualification round saw intense competition, with Ujjawal Malik (Navy), Rahul Serawat (Rajasthan), and Shiva Narwal (Haryana) all shooting 584, differentiated by inner-10 counts. Malik topped the qualification on 584-22x, followed by Serawat (584-17x) and Narwal (584-17x). Arjun Singh Cheema (583-23x), Anmol Jain (583-22x), Ajay Kumar (583-20x), Shubham Bisla (583-16x), and Aakash Bhardwaj (582-25x) completed the list of finalists.

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक सम्पन्न

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आज विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद्, गाजियाबाद की बैठक आहूत की गई, जिसमें प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया गया। कूप पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों की सं0-06, जिसमें 02 स्वीकृत व 04 अस्वीकृत किये गये। अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गमन हेतु प्राप्त आवेदनों की सं0-10, जिसमें 06 स्वीकृत व 04 अस्वीकृत किये गये। अनापत्ति प्रमाण पत्र के नवीनीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों की सं0-05, जिसमें 05 राज्य प्राधिकरण को ऑनलाईन अग्रेसारित किये गये। अवैध रूप से संचालित आर० ओ० प्लांट/कार धुलाई सेन्टर से हो रहे भूजल दोहन की प्राप्त शिकायतों के क्रम में पूर्व में प्राप्त निदेर्शानुसार 30 दिन का समय देते हुये स्वयं बोरवेल का कनेक्शन बन्द कर कार्यालय को शपथ पत्र न देने वाली शिकायतों पर बोरवेल सील करते हुये 2 लाख रुपए का जुमार्ना अधिरोपित किया जाता हैं। (शिकायतों के माध्यम से कुल दिये गये नोटिस 04, जिसमें 03 आर०ओ० प्लांट संचालकों ने बंद करने के शपथ पत्र दिये एवं आर०ओ० प्लांट 01 को सील किये है।) गत बैठक में की गई शिकायत के क्रम में जॉच के आधार पर 61 हाउसिंग सोसाइटियों को अवैध रुप से भूजल दोहन करने के सम्बन्ध में नोटिस जारी किये गये। जिनके प्राप्त प्रतिउत्तरों के आधार पर जिन हाउसिंग सोसाइटियों द्वारा प्रतिउत्तर प्राप्त नही हुए थे, को 30 कार्य दिवस का समय देते हुए अन्तिम चेतावनी नोटिस पुनः प्रेषित किया जा चुका है। अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है कि उक्त सभी सेसाइटीयों पर अग्रिम कार्यवाही पर जिलाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए साथ ही साथ सभी सोसाइटीयों के परिसर में स्थापित रेन वॉटर हॉवेस्टिंग स्ट्रेक्चर की सक्रियता की जांच कर रिपोर्ट प्रेषित की जाए। नोडल अधिकारी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद के सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद करते हुये बैठक का समापन किया गया। बैठक में श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव जिला विकास अधिकारी, श्रीमती सृष्टि जायसवाल नोडल अधिकारी जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद,शेषमणि यादव सहायक अभियन्ता जलकल नगर निगम, शताक्षी मिश्रा प्रतिनिधि जिला कृषि अधिकारी, सन्देश कुमार सहायक अभियन्ता उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,श्रीमती निधि सिंह जिला उद्यान अधिकारी,आकाश वशिष्ठ नामित सदस्य, ज्ञानेन्द्र कुमार गौतम सहायक उपायुक्त उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द, अनित सैनी एरिया मैनेजर उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द, अरुण यादव ए०डी०ओ० पंचायत विकाय खण्ड अधिकारी लोनी, संजय कुमार उप क्षेत्रीय अधिकारी वन विभाग,रवि कुमार वर्मा सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण), पीयुष कुमार राय खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड भोजपुर आदि उपस्थित थे।

नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए 2026 के टारगेट

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम मुख्यालय पर नव वर्ष के प्रथम दिन उत्साह का माहौल बना रहा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा शहर वासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी गई। इसी क्रम में निगम अधिकारियों के साथ-साथ माननीय पार्षदों से भी मुलाकात करते हुए नव वर्ष की शुभकामनाएं दी गई नगर आयुक्त द्वारा निगम अधिकारियों को नए वर्ष 2026 के टारगेट भी दिए गए जिसमें मुख्य रूप से चल रहे कार्यों को रफ्तार देने के लिए निर्देश दिए गए, निगम अधिकारी गन, पार्षदों के साथ-साथ जिले के कई मुख्य अधिकारी भी नगर निगम पहुंचे तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से मुलाकात करते हुए नए वर्ष की शुभकामनाएं दी गई तथा शहर हित में संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए चर्चा की गई जिन में सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीए, ममोदीनगर, सचिव जी डी ए, तहसीलदार तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी व अन्य उपस्थित रहे, कई सामाजिक संस्थाओं तथा डीवीएफ टीम द्वारा भी नव वर्ष पर नगर आयुक्त को पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी गई तथा चल रहे निगम के कार्यों की सराहना की'। नगर आयुक्त द्वारा निगम में आए हुए आगंतुकों से मुलाकात करते हुए नव वर्ष की शुभकामनाएं दी गई, निगम के समस्त विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करते हुए 2026 में 6 महीने के भीतर जून तक 14 चल रहे कार्यों को रफ्तार देने के लिए निर्देश दिए गए जिसमें निर्माण विभाग को सी एम ग्रिड फेस 2 के कार्य, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, विजयनगर कार्यालय, सेफ सिटी के अंतर्गत 350 कैमरा इंस्टॉलेशन का कार्य, कारकस प्लांट का कार्य, उद्यान विभाग संबंधित उपवन योजना का कार्य, बायोडायवर्सिटी पार्क का कार्य, मियांवकी पद्धति को बढ़ाने का कार्य, इसी के साथ तीसरे एबीसी सेंटर जो की विजयनगर में बन रहा है उसको जनवरी माह में पूर्ण करने के लिए विशेष रूप से कहा गया, तथा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के कार्य को एक सप्ताह में पूर्ण करने के लिए कहा गया, इसके अलावा जलकल विभाग से बायो सीएनजी प्लांट का कार्य, विजयनगर में गंगाजल का कार्य, तथा प्रकाश विभाग के लिए 20 चार्जिंग स्टेशन पर 100 पॉइंट स्थापित करने का कार्य तेजी से करते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा शहर वासियों को भी 2026 में जागरूक रहते हुए पर्यावरण हित तथा शहर हित में कार्यों में सहयोग करने के लिए अपील की गई, जिसमें शहर के कचरा निस्तारण में सहयोग करते हुए सूखा कचरा अलग तथा गीला कचरा अलग करने का संकल्प लेने की अपील की गई, तथा शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों में सहयोग करने के लिए भी अपील की गई।

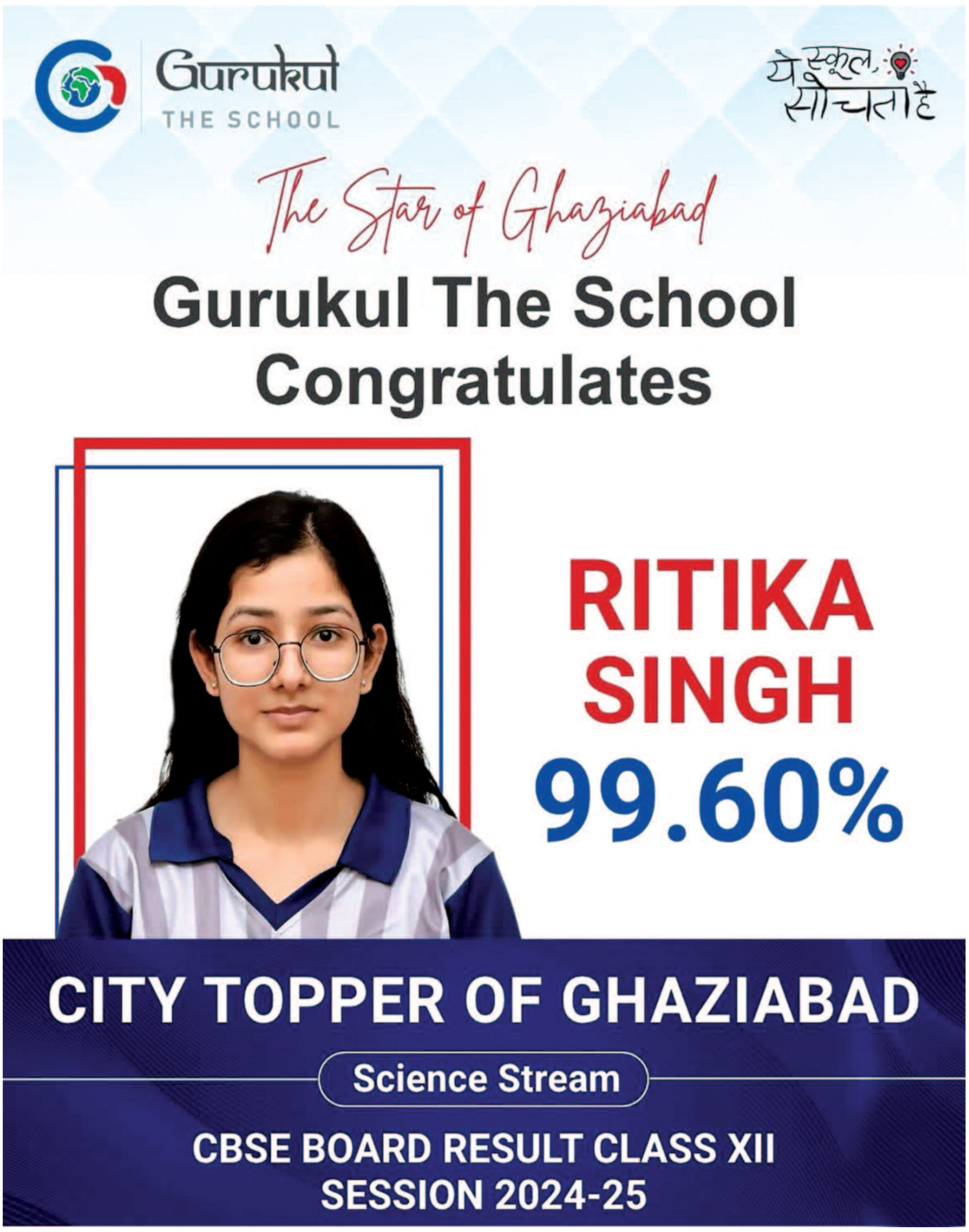

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहः सड़क सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुक्रम में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के दूसरे दिन सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, आमजन को सुरक्षित यातायात व्यवहार के प्रति जागरूक करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग, गाजियाबाद द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक एवं जागरूकता उन्मुख कार्यशाला का आयोजन ड्राईविंग टेस्टिंग सेन्टर (एटीएस) प्रा०लि०, पता-गुलधर मेट्रो स्टेशन के पास, 05 नम्बर भट्टा रोड, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद में किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओ के बढ़ते मामलो पर प्रभावी नियत्रण तथा आमजन को सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा।

राजेश्वर कुशवाहा, यात्री / गालकर अधिकारी द्वारा कार्यशाला में उपस्थित जनमानस एवं ड्राईविंग लाईसेंस आवेदकों बताया गया कि ओवर स्पीड (अत्यधिक गति) सडक दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। तेज गति के कारण वाहन चालक वाहन पर नियंत्रण खो देता है, जिससे गंभीर दुर्घटनाएँ होती हैं तथा जन-धन की भारी हानि होती है। निर्धारित गति सीमा का पालन न करना न केवल चालक के लिए बल्कि अन्य सड़क उपयोगकताओं के लिए भी अत्यंत घातक सिद्ध होता है।

साथ यह भी बताया गया कि ओवर स्पीड पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रवर्तन दलों द्वारा निस्तर चेकिंग, ई चालान, स्पीड मॉनिटरिंग उपकरणों का प्रयोग तथा जागरूकता अभियानों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही नागरिको से अपील की गई कि वे निर्धारित गति सीमा का अनिवार्य रूप से पालन करें।

जीत बहादुर सिंह, यात्री / मालकर अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा नशे में वाहन चलाना, हेलमेट एव सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, ओवरलोडिग, गलत दिशा मे वाहन चलाना तथा यातायात नियमों की अनदेखी को भी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणो के रूप में रेखांकित किया गया और कार्यशाला में दो पहिया व चार-पहिया वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग, पैदल यात्रियों एवं रकूली बच्चों की सुरक्षा तथा आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों से सुरक्षित गति, संयमित ड्राइविंग एवं यातायात नियमों के पालन का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

शासन द्वारा प्रदेश में ओवरस्पीडिंग के कारण घटित हो रही अत्यधिक सड़क दुर्घटनाओं के दृष्टिगत ओवरस्पीडिंग के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, हापुड, शामली, मेरठ, सहारनपुर, बरेली, शाहजहांपुर, मुरादाबाद बिजनौर जनपद को आवंटित इण्टरसेप्टर वाहनों के सम्बन्ध में सभी जनपदो के अधिकारियों द्वारा ट्रेनर राहुल एव उनकी टीम से आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

उक्त कार्यशाला में जनपद गाजियाबाद से अमित राजन राय, मनोज कुमार मिश्रा एआरटीओ (प्रवर्तन) राजेश्वर कुशवाहा, जीत बहादुर सिंह, यात्री / मालकर अधिकारी, विपिन कुमार मोटर वाहन निरीक्षक एवं जनपद गौतमबुद्धनगर से डॉ० उदित नारायण पाण्डेय एआरटीओ (प्रवर्तन) एवं के०जी० संजय यात्री / मालकर अधिकारी, जनपद हापुड़ से रमेश कुमार चौबे एआरटीओ (प्रवर्तन), जनपद बुलन्दशहर से विकारा अरथाना यात्री / गालकर अधिकारी, जनपद शामली से इरशाद अली, यात्री/गालकर अधिकारी, जनपद मुरादाबाद से नरेन्द्र छाबड़ा आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

नये साल के पहले दिन भगवान दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गाजियाबाद में स्थित सिद्धपीठ श्रीदूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर में 2026 के पहले दिन भक्ति और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा और हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा दूधेश्वनाथ का जलाभिषेक किया। श्रीदूधेश्वरनाथ के पीठाध्वीश्वर तथा जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि ब्रह्ममूर्त में पूजा अर्चना के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुले तो उससे पहले ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग चुकी थी। भगवान दूधेश्वरनाथ के जलाभिषेक का सिलसिला प्रातः चार बजे से पहले ही शुरू हो गया था। श्रीमहंत ने बताया कि वह खुद सुबह चार बजे से धूनी के पास बैठे हैं और बाबा दूधेश्वर का जलाभिषेक करके आ रहे श्रद्धालुओं को आशीर्वाद और प्रसाद दे रहे हैं। कड़ाके की ठंड में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं। भीड़ को देखते हुए अंधेरे में ही पुलिस प्रशासन ने मोर्चा संभाल लिया और मंदिर में सेवा करने वाले श्रद्धालुओं के साथ व्यवस्था बनाने में लगे हैं। श्रीदूधेश्वरनाथ के पीठाधीश्वर ने अंग्रेजी नव वर्ष पर भी इतनी बड़ी संख्या में लोगों के मंदिर में आकर भोले बाबा का जलाभिषेक करने को अच्छी परंपरा बताया और कहा कि वर्ष प्रतिपदा पर भी श्रद्धालुओं में इसी तरह से अपनी श्रद्धा का प्रदर्शन करना चाहिए। श्रीमहंत ने कहा कि हिदू नववर्ष की शुरूआत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है और इस बार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 19 मार्च को है, मगर भारत में अंग्रेजी वर्ष बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसे में अंग्रेजी नववर्ष की शुरूआत भगवान की पूजा-अर्चना से करना एक अच्छी परम्परा है। इससे जहां भक्ति एवं आध्यात्म की भावना प्रबल होगी, वहीं हमारे अंदर भारतीय संस्कृति, शिक्षा, परम्परा व विरासत के प्रति जिज्ञासा भी उत्पन्न होगी। इससे सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार होगा और वह मजबूत व एकजुट होगा। उन्होंने कहा कि नववर्ष पर जश्न मनाने की बजाय भगवान की पूजा-अर्चना सनातन धर्म के लिए शुभ संकेत है।

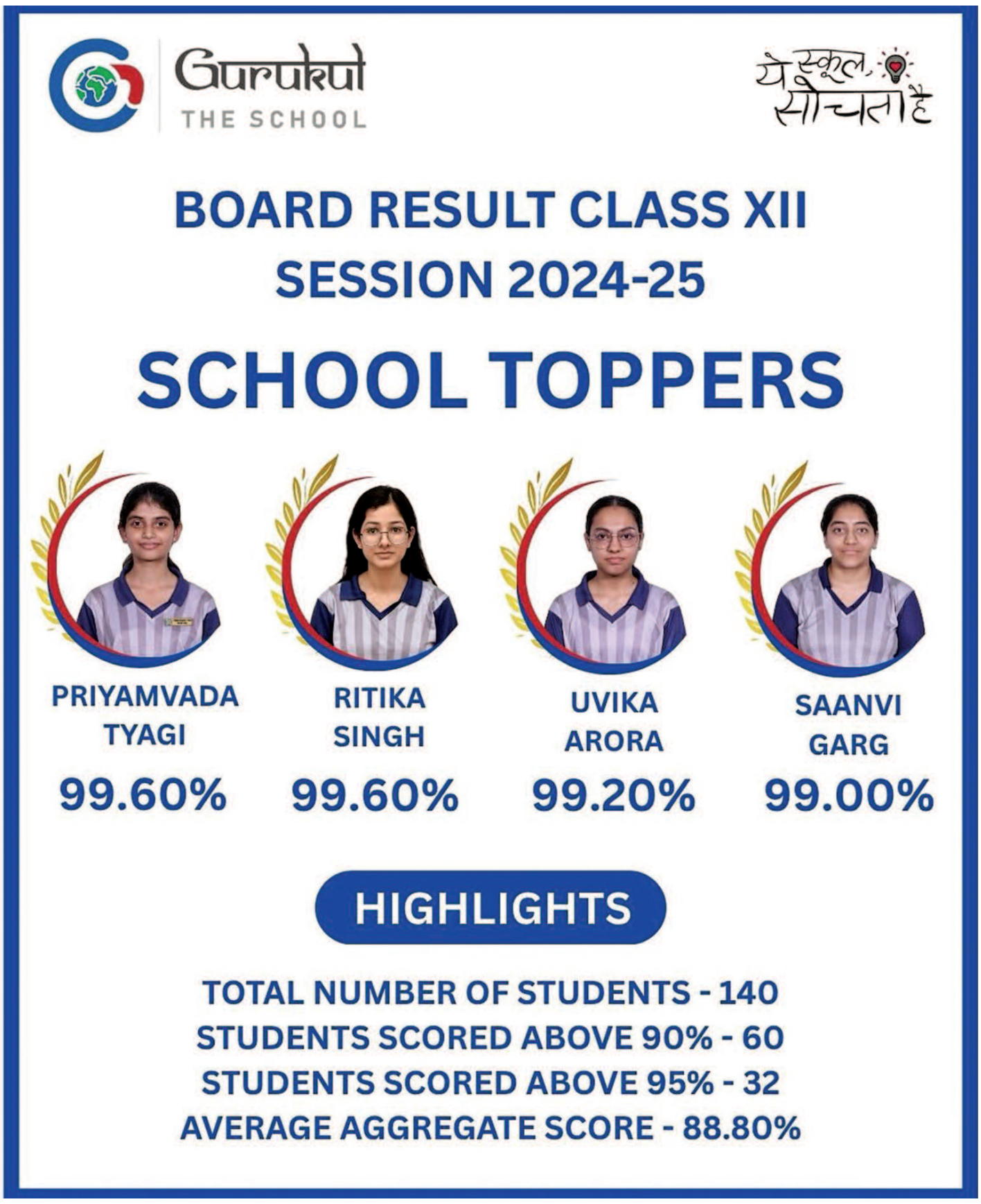

मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग की समीक्षा की, सभी विभागों को बजट खर्च में तेजी लाने के दिये निर्देश

सभी विभाग समय से आवंटन बजट का करें इस्तेमाल, न हो कोई लापरवाही

टीबीसी संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्राविधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय आदि की अद्धयावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्राविधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुंरत निर्णय लें। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिये कि आगामी अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें।

अधिकारी केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए दिल्ली जाएं और पैरवी करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें। वहीं मुख्यमंत्री जी ने वित्त विभाग को निर्देश दिये कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी इनोसेटिव लें। मुख्यमंत्री जी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिये कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिन्हित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें।

उत्तर प्रदेश बन रहा है देश का उभरता दूरसंचार पॉवर हाउस

टीबीसी संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दूरसंचार क्षेत्र की तेजी से प्रगति हो रही है। प्रदेश में मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं का विस्तार शहरी के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में मजबूती से हो रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा कारण सरकारी नीतिगत समर्थन और निजी निवेश है, जिससे प्रदेश में औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र का त्वरित गति से दायरा बढ़ता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि देश के अग्रणी दूरसंचार बाजारों में उत्तर प्रदेश का नाम प्रमुखता से शामिल है। योगी सरकार के विकास मॉडल से प्रदेश के डिजिटल क्षेत्र को नया आयाम मिल रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में देश भर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन रही। अक्टूबर 2025 में यह संख्या 1171.87 मिलियन था। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व और उत्तर प्रदेश पश्चिम दोनों लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्रों की भागीदारी विशेष रही है। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बना हुआ है। नवंबर 2025 तक उत्तर प्रदेश पूर्व में 1.97 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 1.35 मिलियन पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़े यह दर्शाते हैं कि प्रदेश में मोबाइल सेवाओं की मांग अधिक है।

फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस विशेष कर 5-जी आधारित सेवाओं में उत्तर प्रदेश की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ताओं की संख्या 10.41 मिलियन दर्ज की गई है। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व में 0.79 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं। केवल एक महीने के भीतर इन दोनों क्षेत्रों में हजारों नए उपभोक्ताओं का जुड़ना यह संकेत देता है कि सरकार की डिजिटल कनेक्टिविटी नीति का लाभ आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। दूर-दराज के गांवों में भी हाई स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसर खोल रही है। वायरलाइन सेवाओं के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही। उत्तर प्रदेश में सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और शहरी आवासीय क्षेत्रों में वायरलाइन कनेक्शन की मांग बनी हुई है। योगी सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस सेवाओं को व्यापक रूप से लागू किए जाने से विश्वसनीय और सुरक्षित कनेक्टिविटी की आवश्यकता बढ़ी है जिससे वायरलाइन नेटवर्क को मजबूती मिली है। सक्रिय मोबाइल उपभोक्ताओं के मामले में भी प्रदेश की स्थिति सशक्त बनी हुई है। अक्टूबर की तुलना में नवंबर 2025 तक में देश भर में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं में से 1090.91 मिलियन उपभोक्ता सक्रिय पाए गए। ऑनलाइन सरकारी सेवाएं, डिजिटल भुगतान, ई-शिक्षा और टेली मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को आर्थिक विकास का प्रमुख माध्यम बनाया है। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार, मोबाइल टावरों की संख्या में वृद्धि और 5-जी तकनीक को बढ़ावा देने से उत्तर प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

NEW RAINBOW PUBLIC SCHOOL
(Affiliated to C.B.S.E , Delhi 10+2)
ADMISSION OPEN
Session: 2026-27
Classes: NUR to IX & XI

P-BLOCK, SEC-12 PRATAP VIHAR, GHAZIABAD,
nrpschool@gmail.com
www.nrpschool.com
0120 - 4846324,
9560173519

सेहत/स्वास्थ्य

फेफड़ों को जहरीली हवा से कैसे बचाएं, 60 सेकेंड का ब्रीदवर्क रूटीन देगा इम्यूनिटी बूस्ट

रोजाना 60 सेकेंड का आसान और असरदार ब्रीदवर्क रूटीन फॉलो करके फेफड़ों को की क्षमता को बढ़ा सकती हैं। साथ ही पॉल्यूशन से होने वाले नुकसान से भी बचा सकती हैं। यह रूटीन न तो अधिक समय लेता है और न ही इसको करने के लिए किसी खास उपकरण की आवश्यकता होती है।

अगर आप भी रोजाना जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर हैं। बाहर निकलते ही धूल, धुएं और जहरीले कणों से बच पाना मुश्किल है। ऐसे में फेफड़ों पर इसका सीधा असर पड़ता है। जिससे सांस लेने में दिक्कत, एलर्जी, थकान और कमजोर इम्यूनिटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में आपको घबराने की जरूरत नहीं है। भले ही हवा को पूरी तरह से आप साफ न कर सकें, लेकिन अपने शरीर को अंदर से मजबूत बना सकते हैं।

रोजाना 60 सेकेंड का आसान और असरदार ब्रीदवर्क रूटीन फॉलो करके फेफड़ों को की क्षमता को बढ़ा सकती हैं। साथ ही पॉल्यूशन से होने वाले नुकसान से भी बचा सकती हैं। यह रूटीन न तो अधिक समय लेता है और न ही इसको करने के लिए किसी खास उपकरण की आवश्यकता होती है। ऐसे में आप ब्रीद वर्क रूटीन से अपने फेफड़ों को मजबूत बना सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने से फेफड़े मजबूत होते हैं और शरीर का इम्यून सिस्टम सही रहता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ब्रीद वर्क रूटीन कैसे करें और इसके क्या फायदे होते हैं।

एयर पॉल्यूशन में फेफड़ों को ऐसे बनाएं मजबूत

आप बाहरी माहौल को नहीं बदल सकते हैं, लेकिन शरीर को अंदरूनी मजबूत बनाना बेहद जरूरी है। जब हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, तो बाहरी परेशानियों जैसे पॉल्यूशन का असर खुद ब खुद कम होने लगता है।

योग विज्ञान में सांस को सिर्फ हवा नहीं बल्कि जीवित ऊर्जा माना गया है। वहीं प्रणायाम सांस को कंट्रोल करने की पुरानी तकनीक है। इससे फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और सांस लेने की ताकत भी मजबूत होती है। आज के समय में अधिकतर लोग सांस लेते हैं, जिस कारण फेफड़ों का पूरा इस्तेमाल नहीं हो पाता है।

वहीं बढ़ते पॉल्यूशन में यह आदत ज्यादा नुकसानदायक होती है। नाड़ी शोधन और कपालभाति जैसे रेगुलर ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से ऑक्सीजन के आदान-प्रदान को अच्छा बनाने, फेफड़ों को फैलाने और श्वसन तंत्र में जमी गंदगी को साफ करने में मदद मिलती है।

जानिए क्या है 60 सेकेंड का ब्रीद वर्क रूटीन

हमारे शरीर और मन के बीच सांस सबसे मजबूत कड़ी है। सुबह के समय 60 सेकेंड का अभ्यास करना सबसे अच्छा होता है। इसमें भस्त्रिका प्राणायाम किया जाता है। इस दौरान गहरी सांसे ना, थोड़ी देर सांस रोकना और फिर आराम से सांस छोड़ना शामिल है।

ऐसे करें 60 सेकेंड का ब्रीद वर्क

इस एक्सरसाइज को करने के लिए रीढ़ को सीधा करके बैठ जाएं। फिर अपना पूरा ध्यान सांसों पर लगाएं और जितना हो सके, गहरी सांस लें। अब कुछ सेकेंड के लिए सांस रोकें। फिर ध्यान के साथ सांस छोड़ें। जोर लगाकर नहीं बल्कि अनुशासन के साथ करें।

आप चाहें तो इसको 2-3 बार दोहरा सकते हैं।

फेफड़ों को रखता है हेल्दी

जब आप गहरी सांस लेते हैं, तो फेफड़ों के ऐसे हिस्से भी सक्रिय होते हैं, जो निष्क्रिय रहते हैं। सांस रोकने से बॉडी में ऑक्सीजन को अच्छे से सोखने की क्षमता बढ़ती है। सांस छोड़ने से फेफड़ों में जो कचरा जमा होता है, वह बाहर निकलता है। धीरे-धीरे फेफड़े अधिक मजबूत और पॉल्यूशन के प्रति सहनशील बनते हैं।

60 सेकेंड ब्रीद वर्क के फायदे

इसको करने से तनाव कम होता है और दिमाग को तेज करता है। यह इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करता है और आपको अंदरूनी मजबूती देता है। यह नर्वस सिस्टम को भी संतुलित करता है।

ब्यूटी / फैशन

सर्दी में स्किन की झाइयों से परेशान? कोकोनट मिल्क में मिलाएं ये एक चीज, पाएं खिला चेहरा!

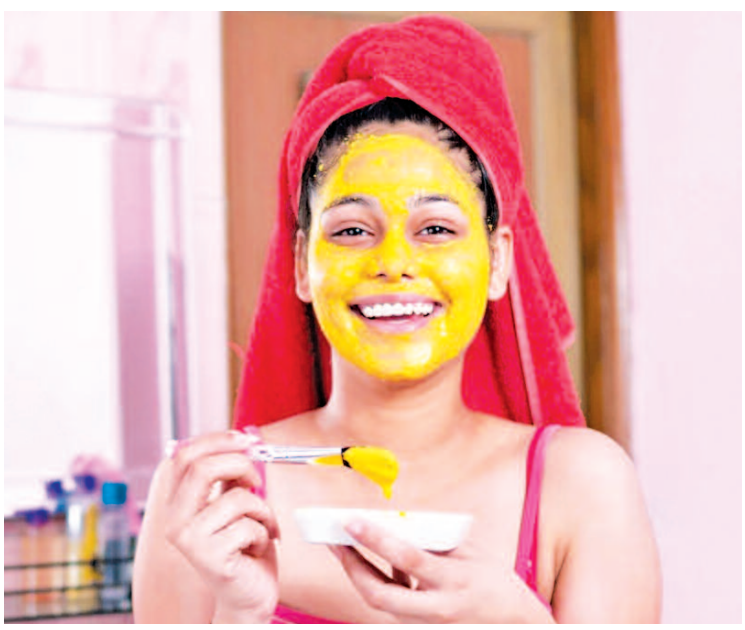

सर्दी में त्वचा की समस्याओं, खास तौर पर चेहरे की झाइयों को कम करने के लिए कोकोनट मिल्क और हल्दी का घरेलू उपाय कारगर है। यह मिश्रण त्वचा को हाइड्रेट कर मुलायम बनाता है और महंगे उत्पादों का विकल्प प्रदान करता है।

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा हमारी स्किन प्रभावित होती है। इस मौसम में अधिकतर महिलाओं को त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

यदि आपको भी सर्दियों के दौरान स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम को होती है, तो अब आपको महंगे प्रोडक्ट लेने की जरुरत नहीं है। इस लेख में हम आपको घरेलू उपाय बताएंगे, जिन्हें ट्राई करके स्किन संबंधित परेशानियां कम हो जाएगी।

चेहरे के लिए ऐसे करें कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल

यदि आप अपनी स्किन को सर्दियों में मुलायम और खूबसूरत बनाना चाहती हैं और सर्दियों में होने वाली परेशानियां को कम कर सकती हैं, तो अब आप घर में रहकर कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। विंटर में कोकोनट मिल्क स्किन के लिए सबसे बेहतरीन उपाय है, तो आप घर में बैठकर कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। कोकोनट मिल्क स्किन को हाइड्रेट रखता है और त्वचा को सॉफ्ट बनाता है।

कोकोनट मिल्क और हल्दी का करें इस्तेमाल

इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप हल्दी की गांठ को पत्थर से घिसकर इसका रस निकाल लें। हल्दी की गांठ से निकला हुआ रस और कोकोनट मिल्क दोनों को अच्छी तरह मिला लें और इस मिश्रण को अपने चेहरे पर कम से कम 20 से 25 मिनट तक लगाकर रखें। थोड़ी देर के बाद आप अपना चेहरा साफ पानी से धो सकती हैं।

इन बातों रखें ध्यान

यह उपाय करने से आपकी स्किन हाइड्रेट रहेगी और साथ ही त्वचा पर हो रही परेशानियां भी कम होगी। इस मिश्रण का आप अपने चेहरे पर कम से कम एक हफ्ते में दो से तीन बार इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन को काफी फायदा देखने को मिलेगा। यदि आप पहली बार इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले पैच टेस्ट जरुर करें। इसके बाद ही इसका प्रयोग करें।

इक्कीस समीक्षा: देशभक्ति से आगे जाकर एक पिता की पीड़ा कहती फिल्म

फिल्म: इक्कीस
कलाकार: अगस्त्य नंदा, धर्मेंद्र, जयदीप अहलावत, सिमर भाटिया
निर्देशन: श्रीराम राघवन
रेटिंग: (4/5)

कुछ फिल्में तालियाँ बटोरती हैं, कुछ नारे लगवाती हैं और कुछ ऐसी भी होती हैं जो दर्शक को चुप करा देती हैं। इक्कीस तीसरी श्रेणी की फिल्म है। यह वह अनुभव है, जिसके बाद आप थिएटर से बाहर निकलते समय बोलना नहीं चाहते–क्योंकि गले में भावनाओं का भार होता है, शब्दों का नहीं।

यह फिल्म 21 साल की उम्र में परमवीर चक्र पाने वाले कैप्टन अरुण खेतरपाल की वीरगाथा नहीं, बल्कि उनकी अनुपस्थिति की कथा है–उस खालीपन की, जो पीछे रह जाता है।

कहानी: युद्ध के शोर से परे एक स्मृति

फिल्म दो समय-रेखाओं में आगे बढ़ती है।

एक ओर 1971 का भारत-पाक युद्ध, जहाँ युवा टैंक कमांडर अरुण खेतरपाल (अगस्त्य नंदा) मोर्चे पर डटे हैं।

दूसरी ओर कारगिल युद्ध के बाद का दौर, जहाँ उनके पिता ब्रिगेडियर एम.एल. खेतरपाल (धर्मेंद्र) वर्षों बाद पाकिस्तान जाते हैं–एक कॉलेज रियूनियन के बहाने, लेकिन असल में अतीत से सामना करने।

पाकिस्तानी अधिकारी ब्रिगेडियर नसीर (जयदीप अहलावत) की मेजबानी में यह मुलाकात धीरे-धीरे एक ऐसे सच की ओर बढ़ती है, जिसे कोई जोर से कहना नहीं चाहता। कहानी का असली असर इसी टकराव में छुपा है–युद्ध के बाद की चुप्पी में।

निर्देशन: सूक्ष्मता की ताकत, लेकिन असमान गति

श्रीराम राघवन यहां अपने सिग्नेचर सस्पेंस से हटकर एक संयमित और गंभीर भाषा चुनते हैं। कई दृश्य बेहद असरदार हैं–जैसे टैंक के पेरिस्कोप से झांकता चेहरा, जो एक पल के लिए इतिहास को जीवित कर देता है।

हालांकि, फिल्म की संरचना पूरी तरह संतुलित नहीं है। शुरूआती हिस्से में फ्लैशबैक का प्रवाह थोड़ा बिखरा हुआ लगता है और प्रशिक्षण के दृश्य अपेक्षित भावनात्मक गहराई नहीं बना पाते। लेकिन जैसे-जैसे फिल्म अपने दूसरे हिस्से में प्रवेश करती है, उसका स्वर बदल जाता है–और यहीं से इक्कीस सच में पकड़ बनाती है।

अभिनय: धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत की अदृश्य जंग

इस फिल्म की आत्मा दो कलाकारों में बसती है–धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत। धर्मेंद्र का अभिनय किसी संवाद पर निर्भर नहीं है; उनकी आंखों की नमी, आवाज की थरथराहट और मौन ही सब कुछ कह देता है। यह उनके करियर की सबसे संवेदनशील प्रस्तुतियों में से एक है।

जयदीप अहलावत एक ऐसे पाकिस्तानी अधिकारी के रूप में सामने आते हैं, जो दुश्मन होते हुए भी शौर्य का सम्मान करना जानता है। दोनों के बीच के दृश्य–खासकर अंतिम हिस्से में–फिल्म को साधारण युद्ध कथा से ऊपर उठा देते हैं।

अगस्त्य नंदा शारीरिक रूप से भूमिका के अनुरूप हैं और उनकी गंभीरता विश्वसनीय लगती है, लेकिन भावनात्मक स्तर पर उनका अभिनय सीमित रह जाता है। शहादत के भीतर चल रही उथल-पुथल को वे पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते। सिमर भाटिया, अपने पहले ही प्रयास में, संयमित और सहज लगती हैं। उनका किरदार शोर नहीं मचाता, लेकिन अपनी मौजूदगी दर्ज कराता है।

संगीत और तकनीकी पक्ष

तनुज टिकू और केतन सोढ़ा का बैकग्राउंड स्कोर भावनाओं को बिना दबाव बनाए उभारता है। युद्ध दृश्य वास्तविक लगते हैं–बिना अनावश्यक नाटकीयता के।

दृष्टिकोण: शोर नहीं, सम्मान

आज की अधिकतर युद्ध फिल्में जहां आक्रामक राष्ट्रवाद का रास्ता चुनती हैं, इक्कीस एक कठिन लेकिन ईमानदार विकल्प अपनाती है। यह फिल्म यह स्वीकार करती है कि युद्ध में सम्मान हो सकता है, भले ही सीमाएं अलग हों।

यह विचार हर दर्शक को सहज नहीं लगेगा, और शायद फिल्म भी इस असहजता को जानती है–इसीलिए अंत में एक स्पष्ट संदेश देती है, ताकि भावनाओं को गलत दिशा न मिले।

निष्कर्ष: यह जीत नहीं, एक स्मरण है

इक्कीस तब सबसे प्रभावशाली होती है जब वह खुद को ह्यूद्ध फिल्म' साबित करने की कोशिश छोड़ देती है। यह फिल्म हमें यह नहीं बताती कि हम कितने शक्तिशाली हैं, बल्कि यह याद दिलाती है कि हमारी आजादी की कीमत कितनी भारी रही है।

यह फिल्म गर्व नहीं भरती–यह खाली कर देती है। और वही खालीपन, जो लंबे समय तक भीतर बना रहता है, इक्कीस की सबसे बड़ी सफलता है।

यह सिनेमा नहीं, एक शोक-स्मृति है–

उस बेटे के लिए, जो लौटकर नहीं आया।

उस पिता के लिए, जो उस कमी के साथ जीता रहा।

और उस देश के लिए, जो अपने नायकों को याद तो करता है, लेकिन अक्सर चुपचाप।

कैंची धाम से दुनिया तक: नीम करोली बाबा पर आधारित 7-भागीय मल्टीलिंगुअल वेब सीरीज 'संत' की घोषणा

टीबीसी संवाददाता

नई दिल्ली। अलमाइटी मोशन पिक्चर ने अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना 'संत' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह 7-भागों की प्रीमियम मल्टीलिंगुअल वेब सीरीज भारत के महान संत नीम करोली बाबा के जीवन, दर्शन और वैश्विक प्रभाव पर आधारित होगी–वही संत जिन्होंने स्टीव जॉब्स, मार्क जकरबर्ग और जूलिया रॉबर्ट्स जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों को भी गहराई से प्रभावित किया।

यह सीरीज नीम करोली बाबा की असाधारण आध्यात्मिक यात्रा, उनके प्रेम, सेवा, भक्ति और करुणा के दर्शन को आधुनिक सिनेमा की भाषा में वैश्विक दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास है। 'संत' को एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो भारतीय अध्यात्म और विश्व सिनेमा के बीच सेतु का कार्य करेगा।

20 भाषाओं में बनेगी सीरीज

'संत' को 20 भाषाओं में तैयार किया जाएगा, जिससे यह भारतीय प्रोडक्शन हाउस द्वारा बनाई जा रही सबसे व्यापक मल्टीलिंगुअल आध्यात्मिक सीरीज में से एक होगी। सीरीज में लाइव-एक्शन सिनेमैटिक शूट, हाई-एंड वीएफएक्स और एआई-सहायता से दृश्य पुनर्निर्माण (AI-Assisted visual reconstruction) का उपयोग किया जाएगा, ताकि विभिन्न कालखंडों और घटनाओं को यथार्थ और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

इस प्रोजेक्ट पर पिछले दो वर्षों से गहन शोध और विकास कार्य चल रहा है, जिसमें आध्यात्मिक विद्वानों, इतिहासकारों और रचनात्मक विशेषज्ञों की भागीदारी रही है, ताकि प्रस्तुति पूरी तरह प्रामाणिक, संवेदनशील और

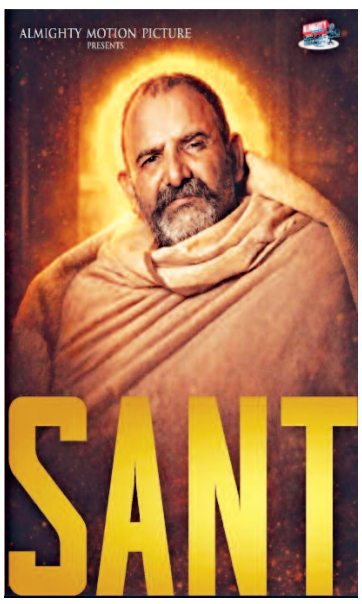

गहराईपूर्ण हो।

अंतरराष्ट्रीय तकनीक, भारतीय आत्मा

अलमाइटी मोशन पिक्चर ने यूनाइटेड किंगडम से शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों को अंतिम रूप दिया है, वहीं भारत की अनुभवी क्रिएटिव और प्रोडक्शन टीम भी इस परियोजना का हिस्सा होगी।

निमार्ताओं का कहना है कि 'संत' वैश्विक ओटीटी मानकों पर खरी उतरेगी, लेकिन इसकी आत्मा पूरी तरह भारतीय आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ी रहेगी।

वैश्विक पहुंच के तहत, निमार्ता विनम्र प्रयास के रूप में मार्क जकरबर्ग, जूलिया रॉबर्ट्स और स्टीव जॉब्स फाउंडेशन जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों से संपर्क करने की योजना भी बना रहे हैं, ताकि बाबा के सार्वकालिक और सार्वभौमिक प्रभाव को सही संदर्भ में प्रस्तुत किया जा सके।

निमार्ता के लिए व्यक्तिगत आस्था का विषय

सीरीज की निमार्ता और अलमाइटी मोशन पिक्चर की संस्थापक प्रभलीन संधू ने इस प्रोजेक्ट को अपने जीवन से गहराई से जुड़ा बताया। उन्होंने कहा, 'संत' मेरे लिए सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। नीम करोली बाबा जी ने मेरे जीवन के सबसे कठिन दौर में मेरा मार्गदर्शन और संरक्षण किया है।

एक श्रद्धालु के रूप में, उनकी कहानी दुनिया तक पहुँचाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। एक निमार्ता के रूप में, मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि यह सीरीज पूरी निष्ठा, भक्ति और विश्वस्तरीय गुणवत्ता के साथ बने।'

कंटेंट में साबित कर चुकी हैं दम

प्रभलीन संधू इससे पहले 'भयः द गौरव तिवारी मिस्ट्री' जैसी चर्चित वेब सीरीज का निर्माण कर चुकी हैं, जो अमेजन एमएक्स प्लेयर और प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई और अपनी मौलिकता के लिए सराही गई।

इसके अलावा, उन्होंने प्रतिष्ठित सीरीज 'मेड इन इंडिया - ए टाइटन स्टोरी' भी पूरी की है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह (जे.आर.डी. टाटा) और जिम सर्भ (जेरक्सीस देसाई) प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे।

वैश्विक महत्व की आध्यात्मिक प्रस्तुति

'संत' को केवल एक वेब सीरीज नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव के रूप में देखा जा रहा है, जो आस्था, करुणा और शाश्वत ज्ञान को आधुनिक दर्शकों से जोड़ने का प्रयास करेगा।

सीरीज की कास्टिंग, ओटीटी प्लेटफॉर्म और प्रोडक्शन टाइमलाइन से जुड़ी विस्तृत जानकारियाँ आने वाले महीनों में साझा की जाएंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की संशोधित तिथियाँ की घोषित

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्र दिनांक 30 दिसंबर 2025 के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित तिथियाँ घोषित कर दी गई हैं। यह जानकारी जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मांडड़ द्वारा दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पूर्व में घोषित कार्यक्रम में संशोधन करते हुए अब ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 (मंगलवार) को किया जाएगा। इसके साथ ही दावे एवं आपत्तियाँ दाखिल करने की अवधि 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 (शुक्रवार) तक निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि नोटिस चरण के अंतर्गत दावे-आपत्तियों पर सुनवाई, सत्यापन, गणना प्रपत्रों पर निर्णय एवं उनका निस्तारण निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ERO) द्वारा 06 जनवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक समानांतर रूप से किया जाएगा। इसके बाद मतदाता सूचियों के स्वास्थ्य मानकों की जांच कर अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति 03 मार्च 2026 तक प्राप्त की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 06 मार्च 2026 (शुक्रवार) को किया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए प्रारूप-6, नाम हटाने के लिए प्रारूप-7, तथा नाम, पता संशोधन अथवा डुप्लीकेट वोटर कार्ड के लिए प्रारूप-8 (घोषणा पत्र अनुलग्नक-IV सहित) भरकर आवेदन किया जा सकता है। इच्छुक नागरिक अपने आवेदन 06 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय या संबंधित भाग संख्या के बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वे सभी नागरिक पात्र होंगे, जो 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं या उक्त तिथि को 18 वर्ष पूर्ण कर लेंगे। इसके अतिरिक्त, अर्हता तिथि 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र मतदाताओं से भी प्रारूप-6 प्राप्त कर उनके नाम नियमानुसार मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। अंत में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के समस्त नागरिकों से अपील की कि वे इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए स्वयं एवं अपने परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

पीएचसी प्रह्लादगढ़ी में रोटरी क्लब इन्दिरापुरम परिवार व आरएचएएम फाउंडेशन ने किया पोषण आहार वितरित

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत रोटरी क्लब इन्दिरापुरम परिवार और आरएचएएम फाउंडेशन (रहम) के संयुक्त तत्वावधान में पीएचसी प्रह्लादगढ़ी में मातृ स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण एवं टीबी जागरूकता को लेकर पोषण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं को प्रोटीन सप्लीमेंट, जूस तथा विभिन्न पोषक आहार सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने गर्भावस्था के दौरान संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एनीमिया और कुपोषण जैसी समस्याओं से बचाव के लिए नियमित जांच और उचित पोषण को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि समय पर स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम में टीबी के लक्षण, कारण, बचाव और उपचार की जानकारी भी दी गई तथा निःशुल्क सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया गया। गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, स्वच्छता और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर प्रतीक भार्गव, विक्रम सिंह, संजय शर्मा सहित पीएचसी का चिकित्सा एवं सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में गाजियाबाद व दिल्ली-एनसीआर के कई रोटरी क्लबों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लबों ने गोवंशों को खिलाया चारा, ठंड से बचने के लिए कम्बल भी दिए

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए आरएचएएम फाउंडेशन ने लीडिंग क्लब रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रीन के सहयोग से एक सराहनीय गौसेवा अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान में रोटरी क्लब गाजियाबाद सैफ्रन, इंदिरापुरम गैलोर, इंदिरापुरम परिवार, गाजियाबाद नॉर्थ सेंट्रल, गाजियाबाद सनरेज, गाजियाबाद ग्रेटर नेक्स्ट, दिल्ली लेगेसी, प्रीत विहार, सोनीपत एजुकेशन सिटी, हापुड़ एलीट एवं हापुड़ प्लेटिनम सक्रिय रूप से सहभागिता निभा रहे हैं।

इस सेवा परियोजना के तहत प्रत्येक बुधवार सुबह कनावनी स्थित भारत गौशाला में गोवंश के लिए ताजा हरा चारा उपलब्ध कराया जा रहा है। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम इस निरंतर चल रहे सेवा अभियान का एक और सफल चरण रहा। बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने गायों को कंबल पहनाकर उन्हें ठंड से बचाने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि यह गौसेवा अभियान पिछले सात सप्ताहों से नियमित रूप से संचालित हो रहा है और आगे भी इसे लगातार जारी रखने का संकल्प लिया गया है।

कार्यक्रम में आरएचएएम फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. धीरज भार्गव, सचिव मनीषा भार्गव, रोटरी क्लब दिल्ली लेगेसी के अध्यक्ष राजेश गोयल, अजय चौधरी, रोटरी क्लब इंदिरापुरम परिवार के अध्यक्ष सुनील जिंदल, रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रीन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

यह सामूहिक पहल न केवल गौसेवा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है, बल्कि आरएचएएम फाउंडेशन और सभी सहभागी रोटरी क्लबों की स्थायी सामुदायिक सेवा, मानवीय मूल्यों और करुणा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत करती है।

Printed and Published by Manisha Bhargava at Nutan Offset Printing Press, House N.o- 9, Maliwara, Ghaziabad. 201001 and Published at Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.). **Editor:** Manisha Bhargava, **Sub Editor:** Dheeraj Kumar** **Email:** editor@tbam.co.in **RNI. No:** 101248 (UPBIL/2009/28691), **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Mob. 98105 22380, 98718 95198. Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.